आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–25 फरवरी 2025 भोजपुरी समाचार

विधानसभा बजट सत्र के छठवां दिन्हे आजु विधान परिषद में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित करत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कहलें कि राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान बिपक्ष क ब्यौहार कउनहूं आदर्स लोकतंत्र में स्वीकार नाहीं हौ। उहां के कहलीं कि राज्यपाल एगो संवैधानिक पद हौ अउर अपने संवैधानिक उत्तरदायित्व क निर्वहन करे बदे बरिस क पहिला सत्र में उनके ओरि से दुन्नो सदन के एकै साथे सम्बोधित कइल जाला। येह सम्बोधन में मर्यादा अउर सालीनता क पालन कइल हम सब कर जिम्मेवारी हौ। अपने सम्बोधन में प्रयागराज महाकुंभ क चरचा करत श्री योगी कहलें कि ई महाकुंभ दुनिया में अब तक के भइल सज्जो आयोजन क रेकार्ड तूरि रहल हौ। ई महाकुंभ प्रदेस में नया पंचतीर्थ के जोड़ले हौ। एकरे जरिया से सरधालु अजोध्या, काशी, मथुरा अउर गोरखपुर दरसन करे बदे पहुंचि रहल हवें।

****

प्रयागराज महाकुंभ में बिहने महासिवराति परब क आखिरी नहान होई। सरधालुअन क भारी भीड़ि क सम्भावना के देखत महाकुंभ मेला क्षेत्र के आजु संझा चारि बजे से नो व्हीकल जोन घोसित कइ दिहल गइल हौ। सथहीं पूरा प्रयागराज कमिश्नरेट संझा छौ बजे से नो व्हीकल जोन बनि गइल हौ। प्रयागराज प्रसासन सरधालुअन से अपीलि कइले हवे कि ऊ जहवां से आ रहल हवें ओइजा क नगिच्चे के घाटे पर नहान करें। महाकुंभ में नहाये बदे अजुओ ढेरि संख्या में सरधालु प्रयागराज पहुंचलें। तेरह जनौरी से ले के आजु दुपहरिया बाद ले करीब चौंसठ करोड़ सरधालु पवित्र त्रिवेणी संगम में नहा चुकल रहलें। हिमाचल प्रदेस क मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के सथहीं कई गो बिसिस्ट लोगि आजु महाकुंभ में नहइलें।

****

प्रयागराज महाकुंभ में डिजिटल अनुभूति केन्द्र में तीनि लाख पचास हजार से बेसी सरधालु आ चुकल हवें। आध्यात्मिकता अउर नवीनता क ई केन्द्र आधुनिक तकनीक के जरिया से प्राचीन पौराणिक कथा के जीवंत कइ रहल हौ। हमरे संवाददाता बतवले हवें कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु अउर भूटान क राजा जिग्मे खेसर नामग्यालो डिजिटल अनुभूति केन्द्र में महाकुंभ के भव्यता क आनंद लिहलें रहलें अउर येह पहल क प्रसंसा कइलें रहले।

महाकुंभ मेला क्षेत्र के सेक्टर–4 में बना डिजिटल अनुभूति केंद्र इस आध्यात्मिक महापर्व के मुख्य आकर्षणों में से एक है। केंद्र में एआई, वर्चुअल रियलिटी और होलोग्राम देश की समृद्ध संस्कृति को डिजिटल प्रगति के साथ जोड़ रहे हैं। डिजिटल अनुभूति केंद्र विशेष रूप से युवा आगंतुकों और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है। केंद्र में 12 गैलरी हैं और ये महाकुंभ, समुद्र मंथन, यमुना नदी और प्रयाग महापर्व की कहानियों को डिजिटली दर्शाते हैं।

****

बनारस में महासिउराति परब में सरधालुअन क उमड़े वाली भीड़ि के देखत जिला अउर काशी विश्वनाथ मंदिर प्रसासन सुरक्षा क पुरहर इंतिजाम कइले हौ। महासिउराति के दौरान काशी विश्वनाथ मंदिर लगतारे बत्तीस घंटा ले शिव भक्तन बदे खुलल रही। जिला प्रसासन के मोताबिक महासिउराति पर येह बेरि बाबा विश्वनाथ क दरसन–पूजन बदे बारह से पनरह लाख सरधालुअन के पहुंचले क सम्भावना हौ। काशी विश्वनाथ मंदिर प्रसासन की ओरि से विश्व भूषण मिश्रा जनकारी दिहले हवें कि बिहने तड़के तीनि बजि के पनरह मिनट ले महाआरती होई ओकरे बाद मंदिर क कपाट सरधालुअन के दरसन–पूजन बदे खोलि दीहल जाई।

महाशिवरात्रि के दिन मंगला आरती होगी। प्रातःकाल दो बजकर पन्द्रह मिनट पर होगी। तीन बजकर पन्द्रह मिनट पर मंगला आरती समाप्त हो जाएगी। इसके पश्चात सामान्य दर्शनार्थियों के दर्शन प्रारंभ हो जाएगी। भोग आरती दोपहर में ग्यारह बजकर चालीस मिनट से बारह बजकर तीस मिनट तक चलेगी। रात्रि साढ़े नौ बजे से सुबह सवा छौ बजे तक अगले दिन के यह चार पहर की आरती कि जाएगी। इसी बीच में जो नागा सन्यासियों का यहां पर शोभा यात्रा के साथ दर्शन करने का कार्यक्रम हमे प्राप्त हुआ है।.वह दो दलों के रूप में आएगें। एक छह बजे से नौ बजे प्रातःकाल दर्शन करेंगा। दूसरा दल बारह से दो बजे की बीच आएगा। नागा सन्याशियों के साथ साथ सामान्य दर्शनार्थी भी दर्शन करेगें।

प्रदेस के अउरियो सहरनों में शिव मंदिरन अउर सिवालयन में महासिउराति पूजन क तइयारी जोरिया गइल हौ। मंदिरन क साफ–सफाई के बादे उन्हें सजावल–संवारल गइल हौ। सरधालुअन के दरसन–पूजन बदे सज्जो मंदिरन में बिसेस इंतिजाम कइल गइल हौ।

****

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में आजु महराजगंज जिला पंचायत रिसोर्स सेंटर के लग्गे आयोजित कार्यक्रम में एक सौ सत्तासी जोड़न क बियाह सम्पन्न भइल। येह मौका पर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी नवविवाहित जोड़न के बधाई अउर सुभकामना दिहले के सथहीं योजना क खुबियो गिनवलें। उहां के कहलीं कि ई योजना गरीब अउर जरूरतमंद परिवारन बदे मददिगार साबित हो रहलि हौ। येहसे सर्वधर्म समाज अउर सामाजिक संस्कृति के बल मिलि रहल हौ।

****